

12.45 hrs.

SALARIES AND ALLOWANCES OF MINISTERS (AMENDMENT) BILL*

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI CHARAN SINGH): I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Salaries and Allowances of Ministers Act, 1952.

MR. SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Salaries and Allowances of Ministers Act, 1952."

The motion was adopted.

SHRI CHARAN SINGH: I introduce the Bill.

12.46 hrs.

LADY HARDINGE MEDICAL COLLEGE AND HOSPITAL (ACQUISITION) AND MISCELLANEOUS PROVISIONS BILL*

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री राज नारायण) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र में महिलाओं के लिए आयु-विज्ञान की उच्च शिक्षा के लिए अधिक अच्छी सुविधायें तथा महिलाओं और बच्चों के लिए चिकित्सीय सुविधायें सुनिश्चित करने की दृष्टि से लेडी हार्डिंग आयुर्विज्ञान महाविद्यालय और अस्पताल के अर्जन करने का और कलावती शरण अस्पताल के प्रबंध का तथा उन से सम्बन्धित या उन के आनुषंगिक विषयों का उपबन्ध करने वाले विधेयक को पुरःस्थापित करने की अनुमति दी जाय।

MR. SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill to provide for the acquisition of the Lady Hardinge Medical College and Hospital and for the

management of the Kalavati Saran Hospital, with a view to ensuring better facilities for higher medical education for women and medical facilities for women and children in the Union territory of Delhi and for matters connected therewith or incidental thereto."

The motion was adopted.

श्री राज नारायण : मैं विधेयक पुरःस्थापित करता हूँ।

MATTERS UNDER RULE 377

(i) **INADEQUATE FERRY SERVICE BETWEEN MANIHARS GHAT AND SAKRIGALI GHAT ON THE EASTERN RAILWAY**

श्री युवराज (कटिहार) : अध्यक्ष महोदय, मैं ने जिस विषय की ओर नियम 377 के अंतर्गत चर्चा उठाने की अनुमति आपसे प्राप्त की है वह बहुत ही लोक महत्व का है। हमारे यहां उस पिछड़े हिस्से में एकमात्र हमारे यातायात की सुविधा रेल है। एन एफ रेल से जो लोग कटिहार से उस पार ईस्टर्न रेलवे की फेरी से साहबगंज की तरफ और कलकत्ते की तरफ जाने वाली तीन गाड़ियों से आते हैं उन को नदी पार करने के लिए सी बर्षों से लगातार दो बार ईस्टर्न रेलवे की फेरी आती जाती थी। वह अब बन्द कर दी गई। अब मात्र एक बार आती जाती है। तीन बार ट्रेन्स दिन में आती हैं। जो यात्री कटिहार की तरफ से नेपाल की तरफ से और भूटान की तरफ से आते हैं ऐसे तमाम यात्री मनिहारी घाट से क्रॉस कर के उस पार साहबगंज की तरफ जाते हैं। ईस्टर्न रेलवे की एक फेरी फरक्का में आईडिल पड़ी है, उस का स्टाफ आईडिल पड़ा है। फेरी सकरीमली घाट से मनिहारी घाट तक केवल एक बार आ जा रही है। मैं आप को बताऊँ कि उस इलाके के साधारण किसान जो अपने होमस्टेड लैंड में सज्जी पैदा करते हैं वह भी

*Published in Gazette of India Extraordinary Part II section 2, dated 1st August, 1977.

†Introduced with the recommendation of the President.